MPA

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए.

जुलाई 2013 और जनवरी 2014 सत्र के सत्रीय कार्य

(एम.ए. प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110 068

एम.ए. प्रथम वर्ष (लोक प्रशासन)

प्रिय छात्र/छात्राओ,

कार्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार, प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक-एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए) करना होगा।

सत्रीय कार्यों को हल करने से पहले कृपया अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानी से पढ़ लें। यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द-सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को अपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजना होता है।

प्रस्तुतीकरण :

टिप्पणीः एम.ए. प्रथम वर्ष में उपलब्ध सभी चारों पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य इस पुस्तिका में शामिल हैं। आपसे अनुरोध है कि आप सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि तक जमा करा दें ताकि आप सत्रांत परीक्षा दे सकें।

सत्रीय कार्य संख्या	प्रस्तुति की तिथि	किसे भेजें
एम.पी.ए-011, एम.पी.ए-012, एम.पी.ए-013 और एम.पी.ए-014 का सत्रीय कार्य (टी.एम.ए)	जुलाई 2013 सत्र के लिए 31 मार्च 2014 जनवरी 2014 सत्र के लिए 30 सितंबर 2014	अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक

सत्रीय कार्य करने के निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में बताई गई हर प्रकार की श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें :

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह देख लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो

   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और

   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही-सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरण** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ-साफ हस्तलिपि में लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द-सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

प्रो. ई.वायुनंदन
और
प्रो. अलका धमेजा
कार्यक्रम संयोजक
एम.ए. (लोक प्रशासन)

एम.पी.ए-011 : राज्य, समाज और लोक प्रशासन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-011
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-011/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2013-14

पूर्णांकः 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से 500-500 शब्दों के कम से कम दो-दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है। भाग-I इकाई संख्या 1-10 पर आधारित है और भाग-II इकाई संख्या 11-21 पर आधारित।

भाग-I

1. "राज्य के स्वरूप को उदारवादी और मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्यों में समझा जा सकता है।" व्याख्या कीजिए। 20

2. समाज और प्रशासन के बारे में एफ.डब्ल्यू. रिग्स के विचारों का उल्लेख कीजिए। 20

3. आधुनिक राज्य के बारे में गांधीवादी परिप्रेक्ष्य की व्याख्या कीजिए। 20

4. लोक प्रशासनिक अध्ययन मे सामाजिक समता की अवधारणा की प्रासंगिकता का विवेचन कीजिए। 20

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 200-200 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 2x10

   क) सूचना का अधिकार का एक केस अध्ययन
   ख) नागरिक घोषणा-पत्र प्रयास

भाग-II

6. समकालीन नौकरशाही प्रतिमान पर प्रकाश डालिए। 20

7. "भारत में लोक नीति की व्यवस्थित प्रक्रिया के कई चरण हैं।" टिप्पणी लिखिए। 20

8. राज्य, समाज और लोक प्रशासन के बीच अंतर्संबंध की व्याख्या कीजिए। 20

9. भारत में सुशासन के महत्वपूर्ण प्रयासों का उल्लेख कीजिए। 20

10. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 200-200 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 2x10

    क) आंतरिक सांगठनिक स्तर पर संघर्ष समाधान
    ख) नव लोक सेवा

एम.पी.ए-012 : प्रशासनिक सिद्धांत
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-012
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-012/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2013-14

पूर्णांकः 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से 500-500 शब्दों के कम से कम दो-दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग-I

1. लोक प्रशासन के अर्थ, स्वरूप और कार्य-क्षेत्र की चर्चा कीजिए। 20

2. "आधुनिक प्रबंधन तकनीकें एफ.डब्ल्यू. टेलर के वैज्ञानिक प्रबंधन आंदोलन का विस्तार हैं।" व्याख्या कीजिए। 20

3. वेबर द्वारा प्रतिपादित नौकरशाही की अवधारणा को परिभाषित कीजिए और इसकी सीमाओं पर भी प्रकाश डालिए। 20

4. संगठन की अवधारणा की व्याख्या कीजिए और इसकी विभिन्न विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 20

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 200-200 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 2x10

   क) औपचारिक और अनौपचारिक संगठन
   ख) प्राधिकार के प्रकार

भाग-II

6. "आवश्यकता सिद्धांत के पदानुक्रम" के बारे में अब्राहम मैस्लो के विचार का विवेचन कीजिए। 20

7. "चेस्टर बर्नार्ड ने संगठनों के अध्ययन में एक नया आयाम जोड़ा।" चर्चा कीजिए। 20

8. संगठनात्मक संस्कृति से आप क्या समझते हैं? नई संगठनात्मक संस्कृति सृजित करने के लिए अपेक्षित प्रयासों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 20

9. उदारीकरण, निजीकरण और भूमंडलीकरण के आज के युग के आलोक में नवीन लोक प्रशासन प्रबंधन के प्रभाव का विश्लेषण कीजिए। 20

10. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 200-200 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 2x10

    क) नवीन लोक प्रशासन के लक्ष्य
    ख) संगठनों के प्रकार

एम.पी.ए-013 : सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-013
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-013/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2013-14

पूर्णांकः 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से 500-500 शब्दों के कम से कम दो-दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग-I

1. सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली किन्हीं चार सांविधानिक प्राधिकरणों की चर्चा कीजिए। 20

2. कुछ केस अध्ययनों के माध्यम से सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन में नई प्रौद्योगिकियों की भूमिका की व्याख्या कीजिए। 20

3. शासन (governance) में नौकरशाही और राजनीतिक कार्यपालिका के बीच संबंधों के बदलते स्वरूप का विश्लेषण कीजिए। 20

4. भारत में न्यायिक सक्रियतावाद के अनुप्रयोग का अर्थ, स्वरूप और क्षेत्रों पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

5. भारत जैसे संघीय ढाँचे वाले देशों में अंतःसरकारी संबंधों के महत्वपूर्ण आयामों पर प्रकाश डालिए। 20

भाग-II

6. सामरिक प्रबंधन को परिभाषित कीजिए और इसकी प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए। 20

7. परियोजना प्रबंधन की अवधारणा और जीवन चक्र का विश्लेषण कीजिए। 20

8. महत्वपूर्ण सामूहिक निर्णय तकनीकों की चर्चा कीजिए। 20

9. सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन में अनुक्रियाशीलता के लिए महत्वपूर्ण तत्वों का वर्णन कीजिए। 20

10. महिलाओं के सशक्तिकरण के मुद्दे और कार्यनीतियों का विवेचन कीजिए। 20

एम.पी.ए-014 : मानव संसाधन प्रबंधन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-014
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-011/ए.एस.टी.(टी.एम.ए-1)/2013-14

पूर्णांकः 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से 500-500 शब्दों के कम से कम दो-दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग-I

1. मानव संसाधन प्रबंधन को परिभाषित कीजिए और इसके कठोर एवं विनम्र पक्षों की चर्चा कीजिए। 20

2. "कार्य विश्लेषण के लिए आँकड़े कई तरीकों से एकत्रित किए जाते हैं।" चर्चा कीजिए। 20

3. "कार्य-प्रभावोत्पादकता की दिशा में कार्य-निष्पादन का विशेष महत्व है।" कार्य-निष्पादन की विभिन्न पद्धतियों के संदर्भ में चर्चा कीजिए। 20

4. पारिश्रमिक के सिद्धांतों पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

5. पुनःतैनाती को परिभाषित कीजिए और इसके सामान्य सिद्धांतों एवं महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डालिए। 20

भाग-II

6. "प्रबंधन विकास उपागम कई प्रकार के हैं।" चर्चा कीजिए। 20

7. कर्मचारी क्षमता निर्माण के प्रमुख चरणों, आधारभूत उद्देश्यों और सार्थकता की चर्चा कीजिए। 20

8. सामूहिक सौदेबाजी पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

9. शिकायत को परिभाषित कीजिए और इसके समाधान के विभिन्न दृष्टिकोणों पर प्रकाश डालिए। 20

10. संगठनात्मक परिवर्तन को परिभाषित कीजिए और परिवर्तन प्रबंधन के विभिन्न दृष्टिकोणों की चर्चा कीजिए। 20